भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3785

दिनांक 21.12.2021/ 30 अग्रहायण, 1943 (शक) को उत्तर के लिए

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) द्वारा उपयोग की जाने वाली हरित प्रौद्यौगिकी

3785. श्री राजेन्द्र धेड्या गावितः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाइड्रोजन सेल, सौर, मीथेनॉल ईंधन सेल से उत्पादित ऊर्जा वहनीय और पर्यावरण के अनुकूल है और क्या इसे दुर्गम स्थानों पर सहजतापूर्वक उपयोग किया जा सकता है;

(ख) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) का ईंधन और संभार तंत्र संबंधी मांगों को पूरा करने के लिए मीथेनॉल और हाइड्रोजन जैसी हरित प्रौद्यौगिकी का उपयोग करने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सीएपीएफ के उपयोगार्थ हरित प्रौद्यौगिकी को अपनाने के लिए अब तक खर्च की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या उक्त प्रौद्यौगिकी के उपयोग से डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता कम हुई है;

(च) यदि हां, तो क्या उक्त प्रौद्यौगिकी को भविष्य में अपनाए जाने की संभावना है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नित्यानंद राय)

(क) से (घ): हाइड्रोजन सेल, सौर और मेथेनॉल ईंधन सेल से उत्पादित ऊर्जा वहनीय तथा पर्यावरण के अनुकूल है, परंतु दुर्गम स्थानों पर इसका उपयोग मौसम की परिस्थितियों, तकनीकी विशेषज्ञों और लॉजिस्टिकल सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) विभिन्न स्थानों पर हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं, जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(i) असम राइफल्स : 21.97 करोड़ रुपये की लागत से 34 स्थानों पर मेथेनॉल आधारित ईंधन सेल स्थापित किया गया है।

(ii) बीएसएफ : 71.60 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

(iii) आईटीबीपी : 12.08 करोड़ रुपये की लागत से 92 सीमा चौकियों (बीओपी) पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

(iv) एनएसजी : 1.60 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

(v) एसएसबी : 50.63 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

(ङ) और (च): हरित ऊर्जा को अपनाए जाने से डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता कम हुई है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल चरणबद्ध तरीके से और अधिक हरित प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए तैयार हैं।

*****